B.Ed.

बी.एड.

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2015

शिक्षा विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

बी.एड. (द्वितीय वर्ष)

कृपया ध्यान दें :

a) सभी दत्तकार्यों के उत्तर आप स्वयं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा अपने कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र के कार्यक्रम प्रभारी के पास जमा करें।

b) आप अपने उपयोग की दृष्टि से सभी दत्तकार्यों के उत्तरों की एक प्रति अपने पास रख सकते हैं।

ई.एस. 334 – शिक्षा और समाज

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दीजिए।

(i) शिक्षा शब्द की व्याख्या कीजिए। (250 शब्दों)

(ii) शिक्षा के अभिकरण के रूप में संचार माध्यमों की भूमिका तथा कार्यों की चर्चा कीजिए। (250 शब्दों)

(iii) एक शिक्षक के रूप में आपने अपने विद्यालय में अपव्यय और अवरोधन अवश्य अनुभव किया होगा। इसको प्रभावित करने वाले कारकों तथा इसको कम करने के तरीकों व्याख्या कीजिए। (1000 शब्दों)

ई.एस. 335 – शिक्षक तथा विद्यालय

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) क्या आप सोचते हैं शिक्षक का निष्पादन उसके विद्यार्थियों तथा समकक्ष समूह द्वारा आकलित किया जाना चाहिए? अपने उत्तर को न्यायसंगत सिद्ध कीजिए। (500 शब्दों)

(ii) कक्षा गत निर्देशन को प्रभावी रूप से कार्यान्वित करने में प्रबंधकीय कौशलों का प्रयोग कैसे कर सकते हैं व्याख्या कीजिए। (500 शब्दों)

(iii) माध्यमिक विद्यालयी स्तर पर शिक्षण करते समय आने वाली समस्याओं में से एक समस्या की पहचान कीजिए। इस समस्या का समाधान करने के लिए एक क्रियात्मक अनुसंधान कीजिए। इस अध्ययन के नियोजन और निष्कर्षों पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। (500 शब्दों)

ई.एस. 361—शैक्षिक निर्देशन

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) समझाइये, राष्ट्रीय खुला विद्यालयी संस्थान (विगत समय का राष्ट्रीय खुला विद्यालय) किस प्रकार से माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है। (500 शब्दों)

(ii) माध्यात्मिक स्तर की कक्षागत अधिगम में द्विविमीय तथा त्रिविमीय प्रक्षेपित संचार माध्यम किस प्रकार से सहायता प्रदान कर सकते हैं; उदाहरणों की सहायता से समझाइये। (500 शब्दों)

(iii) मान लीजिए आपको अपने विद्यालय की कक्षा IX और X के लिये एक कंप्यूटर सहायित अधिगम कार्यक्रम का निर्माण करना है और उसका कार्यान्वयन करना है। इस कार्यक्रम के निर्माण, कार्यान्वयन तथा प्रभावशीलता देखने के लिये एक विस्तृत योजना तैयार कीजिए। (500 शब्दों)

ई.एस. 362—शिक्षा में कंप्यूटर

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

(i) कार्यक्रम निर्देशन के सिद्धान्तों की वर्णन कीजिए। (500 शब्दों)

(ii) एक अच्छे ट्यूटोरियल का अर्थ तथा लक्षणें की व्याख्या उचित उदाहरणों की सहायता से कीजिए। (500 शब्दों)

(iii) एक विषयवस्तु का चुनाव कीजिए और समझाइये इस विषयवस्तु को आप कंप्यूटर की सहायता से कैसे पढायेंगे। (500 शब्दों)

ई.एस. 363—निर्देशन और परामर्श

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) एक प्रभावकारी परामर्शकर्ता के लक्षणों की चर्चा कीजिए। (250 शब्दों)

(ii) समूह निर्देशन की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। एक समूह निर्देशन क्रियाकलाप जिसे आपने अपने विद्यार्थियों के लिये आयोजित किया हो, उसका दृष्टांत दीजिए। (250 शब्दों)

(iii) विद्यालय जाने वाले बच्चों पाये जाने वाली विभिन्न व्यवहार संबधी समस्याओं की व्याख्या कीजिए। अपने विद्यालय के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की विशेष व्यवहारगत समस्याओं को पहचानिये। इस समस्याओं के कारणों का पता लगाइये। आपने विद्यार्थियों की इन समस्याओं को हल करने में कैसे सहायता की, इस पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। (1000 शब्दों)

ई.एस. 364 – दूरस्थ शिक्षा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दीजिए।

(i) दूरस्थ शिक्षा के औचित्य की व्याख्या कीजिए। (500 शब्दों)

(ii) दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में संचार माध्यमों के चुनाव और उनका एकीकरण से जुड़े मुख्य मुद्दों की चर्चा कीजिए। (500 शब्दों)

(iii) स्व–अधिगम के कौशल क्या है? स्व–अधिगम में इन कौशलों के प्रयोग से जुड़े अपने अनुभवों की वर्णन कीजिए। (500 शब्दों)

ई.एस.ई 065 – एच.आई.वी. एड्स शिक्षा

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(i) रक्त के द्वारा एच.आई.वी. के संचरण की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। (500 शब्दों)

(ii) एच.आई.वी. के रोकथाम से जुड़े नैथ्तक और सदाचारिता संबंधित मुद्दों की चर्चा कीजिए। (500 शब्दों)

(iii) मद्य व्यवसन तथा एच.आई.वी. की रोकथाम के लिये एक विद्यालय में शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका एक परामर्शदाता के रूप में किस प्रकार की होगी। (500 शब्दों)

बी.ई.एस.ई. 066 – किशोरावस्था और परिवार शिक्षा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) किशारों के कुछ सामान्य मुद्दों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। (500 शब्दों)

(ii) वृत्तिकों के लिये उपयोगी जीवन कौशलों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। (500 शब्दों)

(iii) एक शिक्षक के रूप में, परिवारिक जीवन शिक्षा प्रदान करने में विद्यालय की भूमिका को आप कैसे देखते हैं? (500 शब्दों)